www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 87 | जौनपुर सोमवार, 10 नवम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए बेंगलुरु पहुंचे उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

बेंगलुरु, एजेंसी। उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन पदभार ग्रहण करने के बाद अपनी पहली कर्नाटक यात्रा के तहत रविवार को बेंगलुरु पहुंचे। राधाकृष्णन सुबह येलहांका वायुसेना स्टेशन पहुंचे, जहां कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, कर्नाटक के मंत्री सुरेश बी.ए. और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उपराष्ट्रपति येलहांका वायुसेना स्टेशन से हेलीकॉप्टर के जरिए हासन जिले के श्रवणबेलगोला, मांड्या जिले के मेलुकोटे और मैसूरु जिले का दौरा करेंगे और आज ही दिल्ली लौट जाएंगे।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन श्रवणबेलगोला में परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर महाराज के स्मृति समारोह में भाग लेंगे। यह समारोह 1925 में आचार्य श्री शांति सागर महाराज के श्रवणबेलगोला में पहले आगमन की शताब्दी वर्ष के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। समारोह के दौरान, उपराष्ट्रपति शांति सागर महाराज की प्रतिमा की स्थापना समारोह में भी भाग लेंगे। दोपहर में, वह मैसूरु में स्थित 'जेएसएस अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च' के 16वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे और स्नातक छात्रों को संबोधित करेंगे।

प्रचार का अंतिम दिन, शाह और राहुल की बड़ी रैलियाँ

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अपने अंतिम दौर में चल रहा है। दूसरे चरण के लिए प्रचार रविवार शाम छह बजे तक समाप्त हो जाएगा। राष्ट्रीय पार्टी भाजपा और कांग्रेस के शीर्ष नेता चुनाव प्रचार के आखिरी दिन ताबड़तोड़ रैली करने वाले हैं। केंद्रीय गृह सहकारिता मंत्री अमित शाह एनडीए के पक्ष में बिहार में रैली करेंगे। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन शाह दो जनसभा करेंगे। पहली जनसभा सासाराम के फजलगंज स्टेडियम मैदान पर दोपहर 12.45 बजे आयोजित होगी। वहीं दूसरी जनसभा में शाह अरवल के मधुसरमा मेला मैदान में जनसभा करेंगे। विधानसभा चुनाव 2025 अपने निर्णायक चरण में प्रवेश कर रहा है, दूसरे और अंतिम चरण के लिए प्रचार रविवार शाम 6 बजे समाप्त हो जाएगा। जब 20 जिलों के मतदाता राज्य की अगली सरकार का फैसला करेंगे। बिहार चुनाव के दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होगा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कुल 1,302 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1,165 पुरुष, 136 महिलाएं और एक तृतीय लिंग उम्मीदवार शामिल हैं।

उत्तराखंड के 25 साल, डबल इंजन से राज्य में आया प्रगति का दौर – पीएम नरेंद्र मोदी

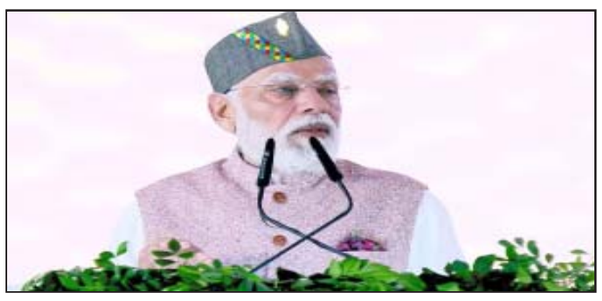

उत्तराखंड, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज उत्तराखंड राज्य के गठन की सिल्वर जुबली (25वीं वर्षगांठ) के समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने रू8,140 करोड़ से ज्यादा के विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित थे। पीएम ने रू8,140 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन (रू930 करोड़ से अधिक) और शिलान्यास (रू7,210 करोड़ से अधिक) किया। ये परियोजनाएं मुख्य रूप से पीने का पानी, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और स्किल डेवलपमेंट जैसे प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित हैं। इस मौके पर, पीएम मोदी च्ड फसल बीमा योजना के तहत 28,000 से ज्यादा किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में रू62 करोड़ की सहायता राशि भी वितरित करेंगे। प्रधानमंत्री ने इस अवसर को यादगार बनाने के लिए एक विशेष पोस्टल स्टैम्प भी लॉन्च किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने 9 नवंबर (उत्तराखंड स्थापना दिवस) के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 9 नवंबर का यह दिन एक लंबी और कड़ी मेहनत का फल है। आज का दिन हम सभी को गर्व महसूस कराता है। उत्तराखंड के लोगों ने सालों से जो सपना देखा था, वह 25 साल पहले अटल जी की सरकार में पूरा हुआ। पीएम ने कहा कि डबल इंजन वाली बीजेपी सरकार उत्तराखंड की क्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए काम कर रही है। पीएम ने राज्य आंदोलन के दौरान अपनी जान कुर्बान करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बाबा केदारनाथ के दर्शन के बाद कही अपनी बात को दोहराया और विश्वास जताया कि आज जब राज्य 25 साल पूरे कर रहा है, तो यह उत्तराखंड की तरक्की का दौर है।

25 साल में बदल गया उत्तराखंड

प्रधानमंत्री ने पिछले 25 सालों में राज्य के विकास को रेखांकित करते हुए बताया कि आज तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा, 25 साल पहले, उत्तराखंड का बजट 4,000 करोड़ रुपये था, और आज यह 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। पिछले 25 सालों में, उत्तराखंड में बिजली का प्रोडक्शन बढ़ा है।

दम घोंटती दिल्ली की हवा पर गुस्सा, इंडिया गेट पर प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा खतरनाक स्तर पर पहुंचने के एक दिन बाद, रविवार को इंडिया गेट पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और राज्य सरकार से दिल्ली–एनसीआर में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तत्काल प्रभावी नीतियां बनाने की मांग की। एक्टिविस्ट्स और प्रदर्शनकारी, जिनमें आप और कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों के नेता भी शामिल थे, इंडिया गेट की ओर मार्च कर रहे थे। यह प्रदर्शन तब हुआ जब कई इलाकों में एक्यूआई 400 के ऊपर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया और दिल्ली रेड जोन में आ गई। पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। नई दिल्ली के सीनियर पुलिस अधिकारी देवेश कुमार महला ने बताया, इंडिया गेट कोई प्रोटेस्ट साइट नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, नई दिल्ली में प्रोटेस्ट की तय जगह जंतर मंतर है। विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं आप की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, भाजपा ने रीडिंग कम करने के लिए एक्यूआई मॉनिटर पर पानी छिड़कवाया। भाजपा डेटा में हेरफेर कर रही है। उन्होंने बीजेपी से राजनीति से ऊपर उठकर हवा और पानी के मामले को गंभीरता से लेने की अपील की।

कोहिमा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे सीपीए जोन–III सम्मेलन का उद्घाटन

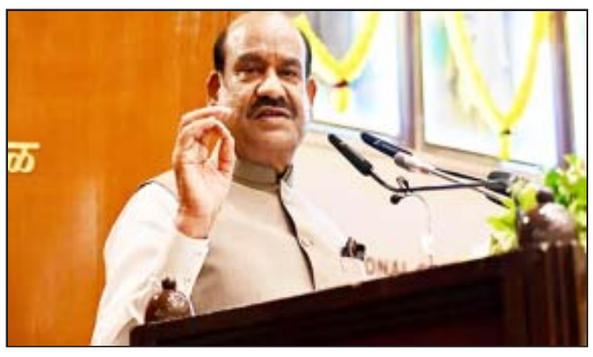

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सोमवार को नागालैंड के कोहिमा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र जोन–III के 22वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वृक्षारोपण अभियान भी आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नागालैंड के मुख्यमंत्री डॉ. नेफ्यू रियो, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश और नागालैंड विधानसभा के अध्यक्ष और सीपीए भारत क्षेत्र जोन– के अध्यक्ष शेरिंगैन लोंगकुमेर उपस्थित रहेंगे।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में देशभर से आए प्रतिनिधि भाग लेंगे। सम्मेलन का विषय नीति, प्रगति और लोग– परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में विधानमंडल है। मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष और सीपीए भारत क्षेत्र जोन–III के उपाध्यक्ष थॉमस ए. संगमा तथा नागालैंड विधानसभा के उपाध्यक्ष एस. तोइहो येथो धन्यवाद ज्ञापित करेंगे। सीपीए भारत क्षेत्र जोन–III ने क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने, सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं को बढ़ावा देने और उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में अवसंरचना विकास और एक्ट ईस्ट पॉलिसी जैसे विशिष्ट क्षेत्रीय मुद्दों को संबोधित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लालटेन को आने मत देना, नहीं तो फिर आएगा जंगलराज - गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के अरवल में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और राजद के महागठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस गठबंधन को ठगबंधन करार दिया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर घुसपैठियों के तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया।

शाह का राहुल पर सीधा निशाना

अमित शाह ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी को बिहार से ज्यादा बांग्लादेश से आए घुसपैठियों की चिंता है। शाह ने कहा, राहुल गांधी यहां घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकालने आए थे। मैं उनसे पूछता हूं कि उन्होंने किसके लिए यात्रा निकाली? बिहार की माताओं, गरीबों या युवाओं के लिए? नहीं, इनके लिए इन्हें कुछ नहीं करना है। इन्होंने घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्रा निकाली है। राहुल के लिए ये घुसपैठिए वोटबैंक हैं। गृह मंत्री ने वादा किया, राहुल गांधी को बिहार से लेकर इटली तक जितनी यात्रा निकालनी है निकालें, लेकिन वो घुसपैठिए को बचा नहीं पाएंगे। हम देश और बिहार से एक–एक घुसपैठिए को चुन–चुनकर बाहर निकालने का काम करेंगे।

बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर राजनीति

अमित शाह ने कांग्रेस पर डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के नाम का केवल चुनावी इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि जब तक बाबा साहेब जीवित रहे, कांग्रेस ने उनका विरोध किया, और उनके निधन के बाद भी सम्मान में कुछ नहीं किया। उन्होंने याद दिलाया, बाबा साहेब को भारत रत्न तब मिला, जब कांग्रेस सत्ता से गई। उन्होंने कहा, मोदी जी ने 14 अप्रैल को राष्ट्रीय समरसता दिवस और 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित किया। कांग्रेस के लिए बाबा साहेब का नाम सिर्फ वोट बटोरने के लिए है।

राजनाथ सिंह 16 डीपीएसयू के वार्षिक प्रदर्शन की करेंगे समीक्षा

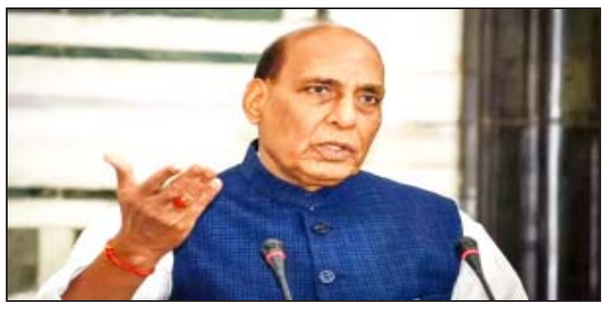

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को नई दिल्ली में 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) के वार्षिक प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। उन्होंने साल 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित करते हुए डीपीएसयू से नई प्रौद्योगिकियों के विकास, निर्यात वृद्धि और स्वदेशीकरण को गति देने पर विशेष जोर दिया था। रक्षा मंत्री ने इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए डीपीएसयू को अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने और नवाचार के लिए श्रमबल को सशक्त बनाने का आह्वान किया। सभी डीपीएसयू ने इस सिलसिले में आगामी पांच वर्षों के लिए अपने अनुसंधान एवं विकास रोडमैप तैयार कर लिए हैं। पिछले दस वर्षों में, 16 डीपीएसयू ने अनुसंधान एवं विकास में 30,952 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अब अगले पांच वर्षों में 32,766 करोड़ रुपए के अनुमानित व्यय के साथ अनुसंधान एवं विकास की गति को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जहां पहले के दशक में अधिकांश निवेश पारंपरिक डीपीएसयू विशेष रूप से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) द्वारा किया गया था, वहीं अब अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान सभी डीपीएसयू में समान रूप से केंद्रित हो गया है। आगामी पांच वर्षों में आयुध निर्माणी बोर्ड के निगमीकरण से गठित सात नए डीपीएसयू अनुसंधान एवं विकास में 3,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेंगे, जबकि रक्षा शिपयार्ड भी 1,300 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की योजना बना रहे हैं। इस कार्यक्रम के दौरान पिछले दस वर्षों में पूर्ण की गई विकास एवं अनुसंधान परियोजनाओं का संकलन प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी पांच वर्षों के लिए तैयार की गई नई कार्ययोजना भी जारी की जाएगी।

सीएम धामी ने उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन बढ़ाने की घोषणा की

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को पृथक राज्य के लिए संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों की पेंशन बढ़ाने तथा आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों के नाम पर उनके क्षेत्र की मुख्य अवस्थापना सुविधाओं का नामकरण करने की घोषणा की। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के एक दिन पहले यहां आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने कई घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान सात दिन जेल में रहे या घायल हुये आंदोलनकारियों की पेंशन छह हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर सात हजार रुपये प्रतिमाह की जाएगी। धामी ने कहा कि इस श्रेणी से भिन्न अन्य राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन 4500 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रतिमाह की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा, आंदोलन के दौरान चोटिल होकर पूर्णतः अशक्त हुए आंदोलनकारियों की पेंशन 20,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये प्रतिमाह की जाएगी तथा उनकी देखभाल के लिए एक मेडिकल अटेंडेंड की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने आंदोलन के दौरान मारे गए आंदोलनकारियों के आश्रितों की पेंशन 3000 रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर 5500 रुपये करने की भी घोषणा की। वहीं, मुख्यमंत्री ने कचहरी परिसर में शहीद स्थल पर आंदोलन के दौरान मारे गए आंदोलनकारियों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन में राज्य आंदोलनकारियों और मारे गए आंदोलनकारियों के परिजनों को सम्मानित किया। इस मौके पर आंदोलनकारियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से राज्य स्थापना दिवस पर अपने घरों में पांच दीपक राज्य आंदोलनकारियों की स्मृति में जलाने का आह्वान भी किया।

उत्तराखंड की रजत जयंती पर खड़गे समेत कांग्रेस नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के 25वें स्थापना दिवस के मौके पर रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य का हर व्यक्ति देश के विकास में अपना निरंतर योगदान देता रहे। हिमालय की गोद में बसी देवभूमि उत्तराखंड अपनी संस्कृति, परंपरा और सौंदर्य से भारत की पहचान को और भी समृद्ध बनाता है। हमारी कामना है कि उत्तराखंड का हर नागरिक समृद्धि, शांति और प्रगति के मार्ग पर अग्रसर रहे और देश के विकास में अपना निरंतर योगदान देता रहे। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, "देवभूमि उत्तराखंड वासियों को उत्तराखंड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। कांग्रेस परिवार ईश्वर से सभी प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए प्रार्थना करता है।" पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने एक्स पोस्ट में लिखा, "हम समस्त उत्तराखंड

वासियों के जीवन में एक अत्यधिक महत्वपूर्ण दिन है, जब हम राज्य के रूप में अस्तित्व में आए। एक लंबे संघर्ष, जिसमें हमने बहुत सारे अपनों को खोया, बहुत सारे घाव लगे, बहुत सारी चुनौतियां सामने आई, मगर लोग अडिग रहें। अनंतोगत्वा देश में एक सहमति बनी कि अब उत्तराखंड राज्य बनना चाहिए। इसलिए यह दिन हमारे लिए बड़ी आकांक्षाओं और उम्मीदों का दिन भी है। एक ऐसे संकल्प का दिन है जिस दिन हम अपने उन भाई–बहनों जिनके पास साधन और सामर्थ्य नहीं है, उनको भी राज्य की विकास की मुख्यधारा में लाए। आज के दिन हमको संकल्प लेना है कि करोड़ों भारतवासियों, जिन्होंने हमारे अस्तित्व में आने की कल्पना की और उस कल्पना को मदद देने का काम किया। मैं, आप सब भाई–बहनों को उत्तराखंड की रजत जयंती के अवसर पर बहुत–बहुत शुभकामनाएं व बधाई देता हूं। उसके लिए आप सबका आवाह्न करता हूं। जय हिंद–जय उत्तराखंड।

वोट चोरी को संस्थागत रूप देने का प्रयास है विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान - राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) वोट चोरी पर पर्दा डालने और इसे संस्थागत बनाने का प्रयास है। राहुल गांधी मध्य प्रदेश जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए शनिवार को नर्मदापुरम के पचमढ़ी पहुंचे। कांग्रेस सांसद ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए दावा किया, वोट चोरी एक मुद्दा है और एसआईआर इस पर पर्दा डालने और इसे संस्थागत रूप देने के लिए है। निर्वाचन आयोग ने नौ राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में चार नवंबरकोमतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया था। गांधी ने कहा कि उनका मानना है कि हरियाणा की तरह मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी वोट चोरी हुई। उन्होंने कहा, "कुछ दिन पहले, मैंने हरियाणा मेंवोट चोरी पर एक प्रस्तुति दी थी और मैंने स्पष्ट रूप से देखा कि वोट चोरी हो रही है। 25 लाख वोट चोरी हुए, हर 8 में से 1 वोट चोरी हो गया।" उन्होंने कहा, इसे देखने के बाद, आंकड़ों को देखने के बाद, मेरा मानना है कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में भी ऐसा ही हुआ यह भाजपा और निर्वाचन आयोग की प्रणाली है।" पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि उनके पास और भी सबूत हैं, जिन्हें वह धीरे–धीरे सामने लाएंगे। उन्होंने कहा, "लेकिन मेरा मुद्दा वोट चोरी का है। एसआईआर अब यह इस पर पर्दा डालने और व्यवस्था को संस्थागत बनाने का प्रयास है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह भविष्य में इस तरह के और खुलासे करेंगे, गांधी ने कहा, "हमारे पास बहुत सारी अलग–अलग सूचनाएं, बहुत विस्तृत जानकारी है और हम इसे जारी करेंगे।" उन्होंने कहा, "लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है।

संपादकीय

नौकरशाही को खोखला कर रहा भ्रष्टाचार का कीड़ा

स्वतंत्रता और अखंडता मिथक बन गए हैं। स्वाभिमान का न होना ही आदर्श हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप को रोकने के लिए अक्सर सुना जाने वाला रोना एक समूह के लिए अर्थहीन साइडबार है जिनकी पहचान आत्म–संरक्षण के लिए झुकना और पहला अवसर मिलते ही शोषण करना है। अभी तक आया अनुभव इस पनपने वाली सड़ांध की पुष्टि करता है। पंजाब में पुलिस के एक उप महानिरीक्षक (डीआईजी) को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया है। यह मामला एक ही समय में दुस्साहस, घृणित और वीभत्सता का प्रतीक है। जिस नौकरशाही को कभी भारत का स्टील फ्रेम कहा जाता था, उसमें एक अधिकारी की इस तरह की लूट और उसका शीर्ष पद पर सामान्य काम–काजी जीवन व्यतीत करना नौकरशाही के भीतर पतन और इसके सामान्यीकरण की सीमा को दर्शाता है। ऐसा संभव नहीं है कि इस अधिकारी का अत्यधिक लालच उनके साथियों और सरकार को मालूम न हो लेकिन इससे पता चलता है कि बल में पथभ्रष्टता को किस हद तक स्वीकार किया जाता है। आरोपी आईपीएस अधिकारी हरचरण सिंह भुल्लर की हिरासत के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और राज्य के सतर्कता ब्यूरो (विजिलेंस ब्यूरो) के बीच टकराव के कारण मामला और जटिल हो गया। भुल्लर के यहां से 7.5 करोड़ रुपये की नकदी, लग्जरी कारों का संग्रह, 2.5 किलोग्राम वजन के सोने के आभूषण, 26 लग्जरी घड़ियां और परिवार के सदस्यों और संदिग्ध बेनामी संस्थाओं के नाम पर लगभग 50 अचल संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। एक तरह से यह लूट का खुला मामला है लेकिन दूसरे स्तर पर सीबीआई व राज्य के बीच की खींच–तान एक गहरी सड़ांध, संबंधों की जटिलता और राजनीतिक निहितार्थ के उद्देश्यों की ओर इशारा करती है। इस केस में जो कुछ भी सामने आता है, वह अलग बात है लेकिन सीबीआई के खिलाफ पहले से ही मिले सभी सबूतों के मद्देनजर अपना बचाव करने के लिए भुल्लर को कड़ी मेहनत करनी होगी। इन सबूतों में एक वॉयस कॉल भी शामिल है जिसमें आरोपी अपने बिचौलिए को दी गई रिश्वत के बारे में आगे के कदमों पर चर्चा करता है। यह मामला असामान्य तो है किन्तु अनोखा नहीं। नौकरशाही अपने कई लोगों की रक्षा करती है। उसके बाद भी नियमित अंतराल पर घोटाले सामने आते हैं जिससे समय–समय पर झटके लगते हैं जो हमें बताते हैं कि भ्रष्टाचार भारतीय समाज में स्थायी रूप से है और नौकरशाही में पनपता है। यह बीमारी जटिल है और विभिन्न रूपों और अंदाजों में आती है तथा संरक्षण की राजनीति से प्रेरित है। रिश्वतखोरी, भ्रष्ट प्रथाओं के बड़े कैनवास का एक हिस्सा है जिसमें (विशेष रूप से वर्तमान भारतीय संदर्भ में) क्रोनिज्म, जांच एजेंसियों का दुरुपयोग या विशिष्ट रूप से धन का प्रयोग शामिल हैं जिन्हें विलफुल डिफॉल्ट कहा जाता है। फिर भी सिस्टम की जटिलता की वजह से बीमारी को अनियंत्रित रूप से जारी रखने की अनुमति देने का कोई कारण नहीं है। आईआईएम कोलकाता में मैनेजमेंट सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज के संस्थापक और दिवंगत शिक्षाविद एसके चक्रवर्ती ने 1997 में एक पेपर में घोर भ्रष्टाचार और सूक्ष्म अनैतिकता के बीच अंतर के बारे में बात की थी।

बिना पानी के मिला उत्तराखंडवासियों को नया राज्य

जयसिंह

दशकों के लंबे संघर्ष, तीन दर्जन से अधिक शहादतों और व्यापक जनदबाव के बाद उत्तराखण्डवासियों को 9 नवम्बर 2000 को अपना अलग राज्य तो मिला, मगर इस राज्य को इसके सबसे महत्वपूर्ण जल संसाधन से वंचित कर दिया गया। राज्य के तीन प्रमुख संसाधनों, जल, जंगल और जमीन, में से जंगल अब समवर्ती सूची में आने के कारण मुख्यतः केंद्र सरकार के अधीन हैं, जबकि जमीन का केवल लगभग 13 प्रतिशत भाग ही राज्य सरकार के अधिकार में है। बाकी भूमि वन विभागए हिमालयी पहाड़ों, नदी नालों और रक्षा प्रतिष्ठानों के अधीन है।

जलसंसाधन पर नियंत्रण का संकट

अगर आप राज्य गठन के लिये संसद उमद पारित उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 79 और 80 पर गौर करें तो एशिया के जलस्तंभ कहे जाने वाले हिमालय की गोद में बसे इस प्रदेश के विपुल जल संसाधन कानूनन राज्य के नियंत्रण में नहीं हैं। गंगा और यमुना जैसी नदियों के उद्गमस्थल होने के बावजूद राज्य का अधिकार प्रस्तावित गंगा प्रबंधन बोर्ड के पास चला गया है। राज्य गठन के बाद के लगभग ढाई दशक में उत्तराखण्ड ने राजनीतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाओं से जूझते हुए भी उल्लेखनीय विकास किया है, लेकिन यदि उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 79 और 80 को पूरी तरह लागू कर दिया गया, तो इस राज्य राज्य के सपनों पर पानी फिर जायेगा।

अधूरा परिसंपत्ति बंटवारा और विवाद

उत्तराखण्ड राज्य और उत्तर प्रदेश के बीच परिसंपत्तियों का बंटवारा आज तक पूरा नहीं हो सका है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस विलंब का सबसे बड़ा कारण यही धाराएं हैं। यदि ये लागू हो गईं, तो न केवल ऊर्जा राज्य बनने का सपना टूट जाएगा, बल्कि राज्य को अपनी ही नदियों में नौचालन या जलोत्सारण तक का अधिकार नहीं रहेगा।

यही नहीं, उत्तराखण्ड के कई तालाबों और जलाशयों पर आज भी उत्तर प्रदेश का कब्जा बरकरार है। हरिद्वार में गंगा का नियंत्रण भी उत्तर प्रदेश के अधीन है। दुर्भाग्य यह है कि प्रदेश का राजनीतिक नेतृत्व इस सच्चाई को वर्षों से छिपाता रहा है। टिहरी बांध और टीएचडीसी की वास्तविक मिल्कियत को लेकर तो रहस्य बना ही हुआ है।

राजनीतिक चुप्पी और मूल ड्राफ्ट का हेरफेर

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राज्य गठन के बाद से अब तक किसी भी राजनीतिक दल ने इस गंभीर मसले को प्राथमिकता नहीं दी। भाजपा और कांग्रेस दोनों ही सरकारों ने इस विषय को दबाए रखा और मीडिया ने भी जाने अनजाने में इस पर चुप्पी साधे रखी।

जबकि, तत्कालीन गृहमंत्री इंद्रजीत गुप्त के मूल ड्राफ्ट में स्पष्ट रूप से जल संसाधन नए राज्य को देने का प्रावधान था, जिसे बाद में लालकृष्ण आडवाणी द्वारा तैयार अधिनियम के ड्राफ्ट को संशोधित कर दिया गया।

धारा 79–80 में विकास पर रोक लगाने वाली शर्तें

आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के बीच परिसंपत्ति बंटवारे का कार्य अधूरा पड़ा है। जिस कारण नया राज्य अपने ही संसाधनों से वंचित है। 2016 में गठित केंद्रीय समिति की रिपोर्ट में भी यह माना गया कि धारा 79–80 के कारण ही अधिकांश बंटवारा अटका हुआ है। 2024 में उत्तराखण्ड सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर गंगा प्रबंधन बोर्ड में राज्य का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और धारा 80 में संशोधन की मांग की, मगर कोई जवाब नहीं मिला। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि ये धाराएँ पूर्ण रूप से लागू की गईं, तो राज्य का राजस्व 40 प्रतिशत तक घट सकता है, क्योंकि जलविद्युत परियोजनाओं से होने वाली आय का बड़ा हिस्सा केंद्र के पास चला जाएगा।

गंगा प्रबंधन बोर्ड – अधिकारों का केंद्रीकरण

उत्तराखण्ड की जमीनें पहले ही भूस्खलन, भ्रष्टाचार और भूमि माफियाओं के कारण संकट में रही हैं। जंगलों को समवर्ती सूची में डालकर केंद्र ने उन पर भी अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया। अब जब हिमालय से निकलने वाली गंगा और यमुना जैसी नदियों को भी अधिनियम की धाराओं 79 और 80 के तहत प्रस्तावित बोर्ड के अधीन कर दिया गया, तो राज्य के पास केवल देखने का अधिकार भर रह गया है। खेद का विषय यह है कि न तो राजनीति में इस पर गंभीर विमर्श होता है और न ही मीडिया इसे उठाने की जरूरत समझता है। अधिनियम की धारा 80 के अंतर्गत गंगा प्रबंधन बोर्ड का गठन किया गया है, जो सिंचाई, ग्रामीण और शहरी जल प्रदाय, जलविद्युत उत्पादन, नौचालन, उद्योगों के उपयोग तथा अन्य निर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश में जल के उपयोग और वितरण का नियंत्रण करता है। इस बोर्ड में केंद्र सरकार का नियंत्रण प्रमुख है, उसका अध्यक्ष और दो प्रतिनिधि केंद्र द्वारा नियुक्त किए जाते हैं, जबकि उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश से केवल एक–एक सदस्य नामांकित किए जा सकते हैं। इस बोर्ड का दायित्व गंगा और उसकी सहायक नदियों से संबंधित सभी परियोजनाओं का प्रशासन, नियमन और विकास है। इसके पास जल आपूर्ति, बिजली वितरण और नई परियोजनाओं को स्वीकृति देने का अधिकार भी है। यहां तक कि बोर्ड के कर्मचारी भी केंद्र के अधीन नियुक्त होने हैं और राज्यों को केवल परामर्श का अधिकार दिया गया है। इस तरह देखा जाये तो उत्तराखण्ड प्रकृति द्वारा दत्त अपने संसाधन को स्वामी न रह कर मात्र एक हिस्सेदार बन जायेगा। यही नहीं सारे बिजली प्रोजेक्ट भी बोर्ड के अधीन चले जायेंगे।

ऊर्जा राज्य बनने के सपने पर संकट

स्पष्ट है कि उत्तराखण्ड, जिसे प्रकृति ने जल, जंगल और भूमि का अनमोल खजाना दिया था, आज अपने ही संसाधनों से बेदखल हो जायेगा। हिमालय की गोद में बसी यह देवभूमि 10 प्रमुख नदियों (गंगा, यमुना, अलकनंदा, भागीरथी, टोंस, रामगंगा, कोसी, गौला, धौलीगंगा, पिंडर) का उद्गम है और 40,000 मेगावाट जलविद्युत क्षमता का स्वामी मानी जाती है। लेकिन उत्तर प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम–2000 की धारा 79 और 80 ने इस अपार जल–संपदा को बोर्ड के हवाले कर रखा है। देखा जाए तो आज 25 वर्ष बाद भी उत्तराखण्ड के पास अपनी नदियों पर पूर्ण अधिकार नहीं है।

धारा 79 और 80 को भंग करने की मांग

गंगा प्रबंधन बोर्ड, जो पुनर्गठन अधिनियम की धारा अस्सी (क) के अंतर्गत गठित होना है, लेकिन उससे पहले ही केंद्र सरकार ने टिहरी जल विद्युत निगम, राष्ट्रीय जल विद्युत निगम और राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम के माध्यम से चौदह हजार मेगावाट क्षमता की परियोजनाओं पर अपना नियंत्रण बनाए रखा हुआ है। पुनर्गठन अधिनियम में बंटवारे के जो जहां है और जैसा है के सिद्धान्त के बावजूद टिहरी बांध में उत्तराखण्ड का हिस्सा नहीं है। उत्तराखण्ड को मात्र बारह प्रतिशत रॉयल्टी ही प्राप्त होती है। हरिद्वार जिले में गंगा के बयालीस किलोमीटर लंबे घाट आज भी उत्तर प्रदेश जल निगम के अधीन हैं। उत्तराखण्ड के तेरह में से ग्यारह जिलों में स्थित चार सौ अड़सठ प्राकृतिक तालाब, जैसे नैनीताल, भीमताल, सातताल और नौकुचिया ताल अब भी उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अभिलेखों में दर्ज हैं। वर्ष दो हजार तेईस में उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय ने इन तालाबों को राज्य के अधिकार में वापस लेने का आदेश दिया था, किंतु केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से उस पर स्थगनादेश ले लिया।

इसी वर्ष केंद्र ने उत्तराखण्ड को जलविद्युत परियोजनाओं से मिलने वाली सात हजार दो सौ करोड़ रुपये की रॉयल्टी रोक दी और कारण बताया गया कि धारा 79 उपधारा दो के अंतर्गत पुराने करार अभी भी लागू हैं। इसके परिणामस्वरूप राज्य का बजट घाटा बढ़कर बाईस हजार करोड़ रुपये तक पहुँच गया। पंद्रह जनवरी 2025 को उत्तराखण्ड सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक नई याचिका दाखिल की है, जिसमें धारा 79 और 80 को असंवैधानिक बताते हुए गंगा प्रबंधन बोर्ड को भंग करने तथा सभी जलविद्युत परियोजनाओं को राज्य को सौंपने की माँग की गई है। इस मामले की सुनवाई अट्ठाइस फरवरी 2026 को निर्धारित की गई है। विशेषज्ञों का मत है कि इस समस्या के समाधान के लिए दोनों राज्यों और केंद्र के बीच त्रिपक्षीय समझौते के तहत इन धाराओं को समाप्त किया जाना चाहिए, भाखड़ा–ब्यास मॉडल की तर्ज पर 'हिमालयी नदी बोर्ड' का गठन होना चाहिए जिसमें उत्तराखण्ड को 51 प्रतिशत वोट की शक्ति मिले। जब तक ऐसा नहीं होता, उत्तराखण्ड का राज्य होना केवल नक्शे पर ही रह जाएगा। प्रकृति ने इसे जल का अमूल्य खजाना दिया था, किंतु कानून ने वह छीन लिया।

..... विविध/स्वास्थ्य .....

मसूरी से लेकर औली तक, उत्तराखंड की ऐसी जगहें जो हैं विदेशों से भी खूबसूरत

उत्तराखंड, जिसे "देवभूमि" भी कहा जाता है, अपनी प्राकृतिक सुंदरता, आध्यात्मिक वातावरण और शांत पहाड़ियों के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। 9 नवंबर 2000 को उत्तराखंड भारत का 27वां राज्य बना था, और तब से हर साल आज ही के दिन उत्तराखंड स्थापना दिवस बड़े उत्साह से मनाया जाता है। ये राज्य न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी स्वर्ग माना जाता है। यहां की वादियां, नदियां, झरने और हिमालय की गोद में बसे छोटे–छोटे शहर हर मौसम में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

आज के समय में ना सिर्फ देश के लोग, बल्कि विदेशों से भी लोग उत्तराखंड घूमने आते हैं। उत्तराखंड स्थापना दिवस के खास मौके पर जानिए उत्तराखंड की वो लोकप्रिय जगहें, जो सालभर सैलानियों से गुलजार रहती हैं। आप भी यहां जाने का प्लान कर सकते हैं।

नैनीताल

नैनीताल को 'झीलों का शहर' कहा जाता है। हरे–भरे पहाड़ों के बीच बसी नैनी झील इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है। यहां नौकायन, बोटिंग और नेचर वॉक का आनंद लिया जा सकता है। मॉल रोड, नैना देवी मंदिर और स्नो व्यू पॉइंट यहां के प्रमुख आकर्षण हैं। परिवार और कपल्स दोनों के लिए यह एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है।

मसूरी

क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर मसूरी, देहरादून से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां का ठंडा मौसम, गन हिल पॉइंट, केम्पटी फॉल्स और मॉल रोड पर्यटकों को बेहद आकर्षित करते हैं। ब्रिटिश काल की इमारतें और हरे–भरे पहाड़ इस शहर को और भी खूबसूरत बनाते हैं।

ऋषिकेश

ऋषिकेश को 'योग नगरी' कहा जाता है और ये आध्यात्मिक शांति का केंद्र है। गंगा नदी के किनारे बसा यह शहर योग, ध्यान और साहसिक गतिविधियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। लक्ष्मण झूला, त्रिवेणी घाट और शाम की गंगा आरती यहां के मुख्य आकर्षण हैं। रिवर राफ्टिंग और बंजी जंपिंग के लिए यह युवाओं की पसंदीदा जगह है।

औली

औली भारत का प्रमुख स्कीइंग डेस्टिनेशन है। बर्फ से ढकी पहाड़ियां, देवदार के पेड़ और हिमालय की चोटियों का मनमोहक नजारा इसे सर्दियों का स्वर्ग बनाते हैं। यहां के केबल कार राइड और ट्रेकिंग ट्रेल्स भी सैलानियों को खूब पसंद आते हैं। औली हर साल बर्फ प्रेमियों और एडवेंचर के शौकीनों से भरा रहता है।

केदारनाथ

केदारनाथ भगवान शिव का एक प्रमुख धाम है और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। समुद्र तल से लगभग 3,583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर हिमालय की गोद में बसा है। तीर्थयात्रियों के लिए यह जगह श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। यहां की ट्रेकिंग यात्रा रोमांचक और आध्यात्मिक दोनों अनुभव देती है।

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ भगवान विष्णु को समर्पित चार धामों में से एक है। ये मंदिर अलकनंदा नदी के किनारे बसा है और हर साल लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं। आसपास के नीलकंठ पर्वत और तप्त कुंड इस जगह की खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। बद्रीनाथ यात्रा को उत्तराखंड का सबसे पवित्र अनुभव माना जाता है।

गोभी का पराठा फट जाता है तो अपनाएं ये आसान किचन टिप्स

सर्दियां आते ही घरों में पराठों की खुशबू फैल जाती है। आलू, मूली, मेथी और सबसे पसंदीदा गोभी का पराठा। लेकिन कई बार बड़ी मेहनत से बनाया गया गोभी पराठा बेलते या सेंकते समय फट जाता है। नतीजा सारा मसाला बाहर और पराठा अंदर से कच्चा रह जाता है। अगर आप भी इस परेशानी से परेशान हैं, तो जानिए वो आसान किचन सीक्रेट्स जिनसे हर बार बनेगा परफेक्ट, स्वाद से भरा गोभी पराठा। अगर आप चाहें तो गोभी में थोड़ा उबला आलू या बेसन भी मिला सकते हैं। इससे स्टफिंग बाइंड हो जाती है और बेलते समय नहीं फटती।

गोभी को कद्दूकस करने के बाद निकालें सारा पानी

गोभी में स्वाभाविक रूप से काफी नमी होती है, जो पराठे को फटने का सबसे बड़ा कारण बनती है। गोभी को बारीक कद्दूकस करने के बाद उसमें हल्का नमक डालें और 10 मिनट रख दें। फिर हाथों से दबाकर सारा पानी निकाल दें। इससे स्टफिंग सूखी रहेगी।

मसाले डालने से पहले गोभी को हल्का भूनें

अगर आप चाहते हैं कि पराठा बेलते समय फटे नहीं, तो गोभी की स्टफिंग को 2–3 मिनट धीमी आंच पर भून लें। इससे उसका कच्चापन और अतिरिक्त नमी दोनों निकल जाएंगे। स्वाद भी दोगुना बढ़ जाएगा।

आटा हो थोड़ा सख्त और रेस्ट किया हुआ

परफेक्ट गोभी पराठे के लिए आटा बहुत ढीला नहीं होना चाहिए। थोड़ा टाइट और मुलायम आटा गूंथें, और उसे 15द्20 मिनट के लिए ढककर रख दें। इससे ग्लूटन एक्टिव हो जाता है, जो पराठे को फटने से बचाता है।

बेलते समय लगाएं थोड़ा सूखा आटा

स्टफ्ड पराठा बेलते समय सूखा आटा बहुत काम आता है। हल्का सा आटा छिड़कें और धीमे हाथों से बेलें। बहुत दबाव देने से पराठा फट सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें।

तवे का तापमान रखें सही

बहुत ठंडा तवा पराठे को फटने पर मजबूर करता है और बहुत गर्म तवा उसे जला सकता है।

मध्यम आंच पर पहले एक साइड सेंकें, फिर घी या मक्खन लगाकर पलटें। इस तरह आपका पराठा रहेगा कुरकुरा और अंदर से पूरी तरह पका हुआ।

अंगदान को बढ़ावा मिले तो बच सकती है लाखों जिंदगियां

हृदय रोग और कैंसर जैसी बीमारियों के कारण हर साल देशभर में लाखों लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा देश में मौतों का एक बड़ा कारण समय पर जरूरी अंगों की अनुपलब्धता भी रही है। मेडिकल रिपोर्ट्स पर नजर डालें तो पता चलता है कि भारत में हर साल प्रत्यारोपण के लिए जरूरी अंगों की कमी के कारण करीब पांच लाख लोगों की मौत हो जाती है। हर दिन कम से कम 15 लोगों की मौतों का एक बड़ा कारण अंगों की कमी है। अंगदान को महादान माना जाता है। सोचिए, आपकी मृत्यु के बाद आपके अंग किसी और को नई जिंदगी दे सकें, तो क्या इससे बड़ा दान हो सकता है? फिर भी, भारत में हर साल लाखों लोग अंग प्रत्यारोपण के इंतजार में अपनी जान गवां देते हैं। अंग दान करने वालों की संख्या में कमी को इसका बड़ा कारण माना जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार समय–समय पर जागरूकता अभियान चलाती रहती है। इसी क्रम में अब केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के अंग और ऊतकों के दान को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाने को कहा है।

केंद्र की राज्य सरकारों की सलाह

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से कहा है कि आपात स्थिति में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं जैसे पुलिस कर्मियों, एम्बुलेंस चालकों और पैरा–मेडिकल कर्मचारियों के लिए राज्य और जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराए जाएं ताकि सड़क दुर्घटना पीड़ितों से अंग और ऊतक के दान की सुविधा मिल सके। राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने एक पत्र में कहा कि, हमारा देश अंगों की गंभीर कमी का सामना कर रहा है, हजारों मरीज विभिन्न अंगों की प्रतीक्षा सूची में हैं। अगर इन्हें समय पर जरूरी अंग प्राप्त हो जाएं तो इससे जान बचाना आसान हो सकता है। पत्र में कहा गया है कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की भारत में सड़क दुर्घटनाएं 2023 शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में लगभग 1.7 लाख लोग मारे गए, जो संभावित अंगदाता हो सकते थे। इनमें से कई संभावित अंगदाता समय पर पहचान न होने और रेफरल न मिलने के कारण अंगदान नहीं कर पाते हैं। डॉ. अनिल कुमार ने कहा आपात स्थिति में सबसे पहले सामने आने वाले सहायकर्ता जैसे पुलिसकर्मी, एम्बुलेंस चालक, आपातकालीन चिकित्सा वालों को अगर समय पर प्रतिशिक्षित किया जाए तो अंगदान को बढ़ावा दिया जा सकता है।

18 साल के किशोर के हृदय दान ने बचाई 13 वर्षीय लड़की की जान

भारत में ऑर्गन डोनेशन रेट दुनिया के सबसे कम दरों में से एक है। जागरूकता की कमी, सामाजिक मिथक, धार्मिक भ्रांतियां और प्रक्रिया को लेकर डर को इसका कारण माना जाता है। कई लोग यह नहीं जानते कि मृत्यु के बाद भी उनके अंग जैसे हृदय, लिवर, किडनी, आंखें और फेफड़े किसी और को जीवन दे सकते हैं।

प्रदेश में बिजली की खरीद पर मचा बवाल, नियामक आयोग हुआ सख्त

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश में बिजली खरीद पर बवाल मच गया है। पावर कार्पोरेशन द्वारा नवंबर माह में मांगी गई तीन हजार मेगावाट बिजली खरीद समझौता पत्र की अनुमति पर नियामक आयोग ने रोक लगा दी है। कार्पोरेशन से खरीद संबंधी पूरा ब्यौरा तलब किया है। प्रदेश में करीब दो साल के अंदर 21 हजार मेगावाट बिजली खरीद संबंधी समझौता पत्र तैयार किए गए हैं। इसमें कुछ की टेंडर प्रक्रिया चल रही है तो कुछ लंबित हैं। इसी बीच पावर कार्पोरेशन ने नियामक आयोग में एक हजार मेगावाट मध्यम पीक समर और दो हजार लांग टर्म पीक समर के लिए खरीद संबंधी समझौता पत्र पेश किया। कार्पोरेशन ने खरीद के लिए अनुमति मांगी। मामले पर सुनवाई करते हुए नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार ने खरीद समझौता पत्र पर रोक लगा दी है। अब तक बिजली खरीद के लिए तैयार किए गए प्रस्ताव, प्रक्रिया, जरूरत सहित सभी पहलुओं पर जवाब तलब किया है। पूछा है कि पहले पावर कार्पोरेशन बताएं कि इस खरीद का औचित्य क्या है? बिजली खरीद के लिए स्पष्ट योजना क्या है ? सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी की स्वीकृत ली गई है या नहीं। आयोग ने साफ कहा है कि पूरे मामले में पर्याप्त योजना और समुचित विस्तृत कार्ययोजना बनाकर आयोग के सामने प्रस्तुत किया जाए। खरीद समझौता पत्र पर रोक लगाने का आदेश जारी होते ही पावर कार्पोरेशन में हलचल मची हुई है। क्योंकि बिजली की खरीद निजी कंपनियों से होती है। इस बीच कभी मरम्मत के नाम पर तो कभी अन्य कारण दिखाकर उत्पादन निगम की इकाइयों को बंद रखा गया है।

21 हजार मेगावाट का हुआ है खरीद समझौता

प्रदेश में करीब दो साल के अंदर 21 हजार मेगावाट बिजली खरीद का प्रस्ताव तैयार किया गया। इसमें कुछ परियोजनाओं के लिए खरीद समझौता पत्र पर हस्ताक्षर होते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कुछ परियोजनाएं अभी पाइप लाइन में हैं। जिन परियोजनाओं पर टेंडर प्रक्रिया चल रही है, उनमें प्रमुख रूप से 2000 मेगावाट सोलर प्लांट, 2000 मेगावाट पंप स्टोरेज प्लांट, 1600 मेगावाट डीबीएफवो, 375 मेगावाट बैटरी स्टोरेज, 250 मेगावाट बैटरी स्टोरेज, 4000 मेगावाट डीबीएफवो, 3000 मेगावाट पंप स्टोरेज प्लांट, 4000 मेगावाट हाइड्रो पावर शामिल है। अब 1000 मेगावाट मीडियम पावर गर्मी और 2000 मेगावाट लॉन्ग टर्म पीक गर्मी सीजन खरीद संबंधी संबंधी प्रस्ताव तैयार किया गया है।

बिजली खरीद की हो सीबीआई जांच– वर्मा बिजली खरीद मामले पर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि एक तरफ 42 जिलों का निजीकरण करने की तैयारी है तो दूसरी तरफ 25 साल के लिए 21 हजार मेगावाट बिजली खरीदी जा रही है। निश्चित तौर पर यह सरकारी धन की बंदरबांट है। उन्होंने पूरे मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सीबीआई अथवा अन्य एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। यह भी कहा है कि आखिर मनमानी तरीके से प्रदेश में बिजली खरीद की जरूरत क्यों पड़ रही है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा लॉन्ग टर्म बिजली खरीद के प्लान के लिए सभी राज्यों को निर्देश किया है। उसके तहत विद्युत नियामक आयोग ने एक कानून भी बनाया है, लेकिन कार्पोरेशन मनमानी तरीके से बिजली खरीद कर रहा है, जिसका खामियाजा किसी न किसी रूप में उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

वेदों की अद्भुत चिकित्सा विद्या पर आधारित तीन दिवसीय "शाश्वत चिकित्सा प्रशिक्षण" सम्पन्न

लखनऊ। अंगिरस रिसर्च ऑफ शाश्वत हीलिंग फाउंडेशन के तत्वावधान में तीन दिवसीय (7 नवम्बर से 9 नवम्बर 2025) "शाश्वत चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम" का भव्य आयोजन होटल स्टार फील्ड, जानकी पुरम में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन वेदों की अद्भुत चिकित्सा विद्या पर आधारित था, जिसका उद्देश्य प्राचीन वैदिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़ना है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सी. पी. शर्मा (पूर्व विशेष सचिव), डॉ. नंदलाल जिज्ञासु, योगी रमेश पांडे (अंतरराष्ट्रीय योग विशेषज्ञ), डॉ. अरुण कुमार, डॉ. एल. के. रॉय (रायबरेली) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया विशिष्ट अतिथियों में महर्षि पतंजलि योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा परिषद के सचिव संदीप उपाध्याय एवं शिवम् जी उपस्थित रहे शाश्वत चिकित्सा के प्रवर्तक स्वामी बाबा भक्ति प्रकाश जी महाराज, जो अखिल भारत धर्मसंघ करपात्री फाउंडेशन के संत हैं, पिछले तीस वर्षों से अथर्ववेद आधारित शाश्वत चिकित्सा पर शोध कर रहे हैं।उन्हें मानद डॉक्टरेट, भारत गौरव अवॉर्ड, विजनरी लीडर अवॉर्ड और भारतीय प्रतिभा रत्न सम्मान (देवभूमि यूनिवर्सिटी) जैसे अनेक राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। झ "शाश्वत चिकित्सा केवल शरीर की चिकित्सा नहीं, बल्कि आत्मा की जागृति और प्रकृति से पुनः जुड़ने की प्रक्रिया है।" उन्होंने अपनी पुस्तक "वैदिक शाश्वत चिकित्सा का अद्भुत विज्ञान" के माध्यम से भी इस दिव्य चिकित्सा पद्धति का वैज्ञानिक रूप प्रस्तुत किया है। प्रशिक्षण के विशेष पहलू संपूर्ण भारत से आए 50 से अधिक साधकों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया सभी को स्पर्श चिकित्सा, ऊर्जा संतुलन, जल स्मृति सिद्धांत, चक्र शुद्धि और नाड़ी परीक्षण की विधियों का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन नाड़ी विशेषज्ञ डॉ. विश्व दीपक शर्मा और डॉ. अरुण कुमार ने किया। प्रतिभागियों में अन्नू आनंद, संतोष पाल, दिव्यांश शर्मा सहित अनेक जिज्ञासुओं ने भाग लेकर शाश्वत चिकित्सा के अद्भुत परिणामों का अनुभव किया।

अखिलेश यादव ने उठाया एसआईआर पर सवाल

लखनऊ, संवाददाता। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी न हो, इस पर ध्यान देना है। वोटर लिस्ट ऐसी हो, जिसमें मतदाता की फोटो पहचानी जा सके। आधार कार्ड नकली न बने ऐसा प्रयास हो। बैंक अकाउंट, रजिस्ट्री व पासपोर्ट, सभी जगह आधार का इस्तेमाल होता है, फिर उसे चुनाव आयोग एसआईआर में मान्यता क्यों नहीं देता। अच्छा हो वे मेटल (धातु) का आधार बना लें। सभी को आधार मेटलकार्ड में दिया जाए। अखिलेश यादव ओडिशा में उपचुनाव प्रचार के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 11 वर्षों से भाजपा की सरकार है। इन वर्षों में घुसपैठिए आए हैं तो इसकी जिम्मेदार भाजपा की ही है। उन्हें ही इसका जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा घुसपैठियों से ज्यादा घूस पर ध्यान देती है। उन्होंने कहा कि आपने अभी बिहार में वीवी पैट की पर्चियां खुली पड़ी लोकसभा चुनाव में दिखा चुका है। साथ ही कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

देखी होंगी। जब लोग यह देखेंगे तो उनके मन में आशंका होगी कि चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव कैसे कराएगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि उत्तर प्रदेश अपना चुनाव परिणाम पिछले

अगड़ों से नाराजगी नहीं, पर हम चाहते हैं बराबरी रू अखिलेश

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ओडिशा में नौपाड़ा विधानसभा उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी रमाकांत हाती के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने मुलायम सिंह यादव और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक जी के बीच गहरे संबंधों को याद करते हुए कहा कि आज ऐसे संबंधों की कल्पना नहीं की जा सकती है। वह राजनीति का दूसरा दौर था। आज तो जो भी भाजपा के करीब गया, वह बर्बाद हो गया। अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए दलित, पिछड़े, आदिवासी भाइयों से निवेदन करने आया हूं कि इस उप चुनाव में सपा प्रत्याशी की मदद करें और भाजपा से सावधान रहें।

देश भर से दो लाख शिक्षक करेंगे दिल्ली कूच, पांच दिसंबर को होगी महारैली

लखनऊ, संवाददाता। देश भर के प्राथमिक शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरोध में पांच दिसंबर को शिक्षक महारैली करेंगे। दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली में दो लाख शिक्षक शामिल होंगे। इनमें यूपी से सर्वाधिक एक लाख शिक्षक होंगे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने रविवार को राजधानी में सभी जिलाध्यक्षों व महामंत्रियों की संयुक्त बैठक में इसके लिए जिम्मेदारी तय की। शिक्षक भवन, रिसालदार पार्क में हुई बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा व संचालन महामंत्री संजय सिंह ने किया। संगठन के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा को इस आंदोलन के लिए 14 राज्यों के संयुक्त संगठन टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) का अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सभी ने बधाई दी। शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ संगठन न्यायालय में लड़ाई लड़ने के साथ ही टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने के लिए इस महारैली के माध्यम से केंद्र सरकार तथा एनसीईटी से भी मांग करेगा। उन्होंने कहा कि इसी दौरान संसद सत्र भी चल रहा होगा, यह शिक्षकों के लिए अपनी ताकत का एहसास कराने का सही समय होगा। एकजुटता से शिक्षक महारैली में शामिल हों।

ब्लॉकवार पदाधिकारियों को जिम्मेदारी

पदाधिकारियों ने बताया कि रैली में जाने के लिए ब्लाकवार शिक्षकों की संख्या निर्धारित कर दी गई है। शिक्षकों को ले जाने के लिए प्रत्येक ब्लॉक के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। महारैली में संगठन में शामिल देश के 14 राज्यों से भी एक लाख से अधिक शिक्षक दिल्ली पहुंचेंगे। बैठक में संघ के कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी तथा संयुक्त महामंत्री देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव आदि शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

निर्वाण शताब्दी महोत्सव के बारे में हुई वृहद चर्चा

गड़वार(बलिया)। श्री जंगली बाबा धाम,गड़वार पर रविवार को दोपहर में श्रद्धालुजनों के साथ एक वार्ता सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित संत–महात्माओं और श्रद्धालुओं ने आगामी वर्ष 2026 में धनत्रयोदशी के दिन श्री जंगली बाबा के महापरिनिर्वाण दिवस के सौ वर्ष पूर्ण होने पर इसे निर्वाण शताब्दी महोत्सव के रूप में वृहद व धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया।इस संदर्भ में विविध कार्यक्रमों,कार्य योजनाओं के निर्धारण हेतु उपस्थित जनों ने अपने अपने सुझाव दिए। वक्ताओं ने बताया कि श्री जंगली बाबा द्वाबा क्षेत्र के दिव्यदृष्टि धारक परम सिद्ध संत सुदिष्ठ बाबा जी महाराज के परम शिष्य थे। उन्होंने समाज में सेवा, सदाचार और आध्यात्मिकता का संदेश दिया।इस मौके पर स्वामी परमेश्वररानन्द सरस्वती(उड़िया बाबा), रामभद्र करपात्री बालक बाबा,आचार्य पंडित राहुल उपाध्याय, पंडित अतुल कृष्ण शांडिल्य,पंडित इंद्रजीत चौबे, मन्नू उपाध्याय, अभिषेक तिवारी, ज्ञानेंद्र देव पाण्डेय, दिवाकर पाण्डेय तथा आचार्य अश्वनी पराशर सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।अंत में श्री जंगली बाबा सेवा समिति ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शादी का झांसा देकर पार कर दिए दो करोड़ के नकदी व जेवर

लखनऊ, संवाददाता। बीबीडी क्षेत्र के रॉयल एन्क्लेव अपार्टमेंट निवासी अमित कुमार को युवती ने शादी का झांसा दिया। फिर उनकी मां के खाते से एक करोड़ रुपये और इतनी ही कीमत के जेवर लेकर चली गई। अमित की मां मधु जैन ने आरोपी युवती के खिलाफ बीबीडी थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। मधु के मुताबिक उनका बेटा अमित कुमार मानसिक रूप से कमजोर है। एक जनवरी को उनके बेटे की मुलाकात झांसी के अंतिया तालाब निवासी मधु खरे से हुई थी। आरोप है कि मधु खरे ने पहले बेटे का भरोसा जीता, फिर घर आना–जाना शुरू कर दिया। उसने बेटे से शादी करने की बात कही। झांसे में लेकर उसने बेटे से उनके बैंक खाते की जानकारी ले ली। उनका मोबाइल हासिल कर खाते में दर्ज फोन नंबर बदल दिया। फिर नेट बैंकिंग के जरिये धीरे–धीरे एक करोड़ रुपये निकाल लिए। इतना ही नहीं, आरोपी ने बेटे की मदद से बैंक के लॉकर में रखे उनके एक करोड़ रुपये के जेवर भी पार कर दिए।

11वीं के छात्र पर सहपाठियों ने किया धारदार हथियार से हमला

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के हजरतगंज स्थित क्रिस्ट चर्च इंटर कॉलेज के 11वीं के छात्र कृष्णा ठाकुर पर 4 नवंबर की दोपहर उसके क्लास के 6 सहपाठियों ने क्लास में हुए झगड़े में धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में कृष्ण के चेहरे पर गंभीर चोट लगी है। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह के बताया कि कृष्णा चारबाग के लोकमानगंज का रहने वाला है। 4 नवंबर की दोपहर वो साथी जेयस के साथ छुट्टी के बाद घर जाने के लिए निकला था। पिता विशाल ठाकुर के अनुसार बेटा जब अटल चौराहे के पास पहुंचा वैसे ही उसकी क्लास के 6 साथियों ने कृष्णा को घेर लिया और ऑटो से खींच कर मारपीट करते हुए ।

टीईटी की अनिवार्यता : दो लाख शिक्षक करेंगे दिल्ली कूच

लखनऊ, संवाददाता। देश भर के प्राथमिक शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के विरोध में पांच दिसंबर को शिक्षक महारैली करेंगे। दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली महारैली में दो लाख शिक्षक शामिल होंगे। इनमें यूपी से सर्वाधिक एक लाख शिक्षक होंगे। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने रविवार को राजधानी में सभी जिलाध्यक्षों व महामंत्रियों की संयुक्त बैठक में इसके लिए जिम्मेदारी तय की। शिक्षक भवन, रिसालदार पार्क में हुई बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा व संचालन महामंत्री संजय सिंह ने किया। संगठन के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा को इस आंदोलन के लिए 14 राज्यों के संयुक्त संगठन टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) का अध्यक्ष निर्वाचित होने पर सभी ने बधाई दी। शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ संगठन न्यायालय में लड़ाई लड़ने के साथ ही टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने के लिए इस महारैली के माध्यम से केंद्र सरकार तथा एनसीईटी से भी मांग करेगा। उन्होंने कहा कि इसी दौरान संसद सत्र भी चल रहा होगा, यह शिक्षकों के लिए अपनी ताकत का एहसास कराने का सही समय होगा।

यूपी में एडिशनल एसपी रैंक के 23 अफसरों का तबादला

लखनऊ, संवाददाता। डीजीपी मुख्यालय ने रविवार को एडिशनल एसपी रैंक के 23 पीपीएस अफसरों का तबादला कर दिया। नोएडा से वाराणसी कमिश्नरेट भेजे जा रहे बीएस वीर कुमार को अब 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद भेजा गया है। गाजियाबाद में तैनात सच्चिदानंद को विशेष सुरक्षा बल मुख्यालय भेजा गया है। फतेहगढ़ में तैनात डॉ. संजय कुमार को 27वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर भेजा गया है। इटावा के एएसपी अपराध सुबोध गौतम को हरदोई का एएसपी पूर्वी बनाया गया है। डीजीपी मुख्यालय में तैनात संतोष कुमार द्वितीय का गोरखपुर के लिए पूर्व में हुआ तबादला निरस्त कर दिया गया है। इसी तरह हरदोई के एएसपी पूर्वी नृपेंद्र को वाराणसी कमिश्नरेट भेजा गया है। कुशीनगर में तैनात निवेश कटियार को यूपी 112 भेजा गया है। यूपी 112 में तैनात दिनेश पुरी को गोरखपुर का एएसपी दक्षिणी बनाया गया है। प्रयागराज कमिश्नरेट में तैनात सीताराम को डीजीपी मुख्यालय के विधि प्रकोष्ठ भेजा गया है। सहारनपुर के एएसपी ट्रैफिक सिद्धार्थ वर्मा को कुशीनगर भेजा गया है। नोएडा कमिश्नरेट में तैनात सुमित शुक्ला को शामली भेजा गया है। गाजीपुर के एएसपी सिटी ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद को गोरखपुर में एएसपी उत्तरी बनाया गया है। हाथरस में तैनात अशोक कुमार सिंह प्रथम को बहराइच का एएसपी सिटी बनाया गया है। एटा के एएसपी सिटी

राजकुमार सिंह प्रथम को ईओडब्ल्यू मुख्यालय भेजा गया है। संतोष कुमार सिंह प्रथम को शामली की जगह गोरखपुर में एएसपी सुरक्षा बनाया गया है। गोरखपुर में एएसपी उत्तरी जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव को सीआईडी मुख्यालय भेजा गया है। वह यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेंसिक साइंसेज से संबद्ध रहेंगे। बहराइच में एएसपी सिटी रामानंद प्रसाद कुशवाहा को हाथरस भेजा गया है। गोरखपुर के एएसपी दक्षिणी जितेंद्र कुमार प्रथम को उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड भेजा गया है। सीआईडी में तैनात एवं यूपीएसआईएफएस से संबद्ध चल रहे चिरंजीव मुखर्जी को प्रयागराज कमिश्नरेट भेजा गया है।

ई रिक्शा सवार महिला से बदमाशों ने लूटा पर्स

लखनऊ, संवाददाता। चौक स्थित केजीएमयू के पास स्कूटी सवार तीन बदमाश ई रिक्शा सवार फिरदौस जहां के हाथ से पर्स लूट ले गए। घटना बुधवार दोपहर की है। फिरदौस के देवर ने चौक थाने में लूट का केस दर्ज कराया है। मदेयगंज के रूपपुर खदरा निवासी फिरदौस जहां पांच अक्तूबर की दोपहर दो बजे केजीएमयू गेट–2 के पास फल खरीद कर जैसे ही ई रिक्शे पर बैठीं, वैसे ही पीछे से आए स्कूटी सवार तीन लुटेरे उनके हाथ से पर्स लूट ले गए। पर्स में पांच हजार रुपये, डेबिट कार्ड व अन्य सामान था। मौके पर पहुंची चौक पुलिस ने भी स्कूटी सवार लुटेरों को इधर–उधर तलाशा पर कुछ पता नहीं चल सका। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय ने बताया कि फिरदौस के देवर तारिक अहमद ने लूट का केस दर्ज कराया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से लुटेरों के बारे में पता लगा रही है।

मुंबई की उड़ानों का किराया आसमान पर, टिकट 24 हजार तक, ट्रेनों की मारामारी खत्म हो रही

लखनऊ, संवाददाता। दीपावली व छठ पर्व के चलते दिल्ली की ट्रेनों में सीटों की मारामारी अब खत्म होती नजर आ रही है। दिल्ली की ट्रेनों में चेयरकार में 1063 तक सीटें रिक्त हैं, हालांकि मुंबई रूट की ट्रेनों में वेटिंग बरकरार है। दिल्ली की उड़ानों के टिकट भी अब सामान्य चल रहे हैं, जबकि मुंबई की उड़ानें अब भी पांच गुनी तक महंगी हैं। मुंबई के विमानों में किराया 24363 रुपये तक चल रहा है। दीपावली व छठ पर लखनऊ से दिल्ली व मुंबई की उड़ानें छह गुना तक महंगी हो गई थीं। मुंबई की फ्लाइट का किराया 30 हजार रुपये के पार चला गया था। तब दिल्ली के विमानों का किराया भी 20 हजार रुपये से अधिक था। अब दिल्ली रूट के विमानों का किराया सामान्य है। लखनऊ से दिल्ली की इंडिगो की सीधी उड़ान 4048 रुपये, एअर इंडिया एक्सप्रेस की 4498 रुपये में मिल रही हैं। दूसरी ओर मुंबई जाने वाले सीधी उड़ानों में इंडिगो एयरलाइंस की सुबह 9:45 बजे की उड़ान 13311 रुपये में, एअर इंडिया एक्सप्रेस की सुबह 9:25 बजे की उड़ान 16155 रुपये में, अकासा एयर की सुबह 11रू30 बजे की उड़ान 24363 रुपये में मिल रही है। आम दिनों में मुंबई का सामान्य किराया पांच हजार रुपये तक रहता है। इसलिए महंगी हैं उड़ानें

एयरवॉक ट्रेवेल एजेंसी के आतिफ बताते हैं कि त्योहारों पर विमानों का किराया महंगा होना आम बात है, लेकिन इस हफ्ते ऐसा होने के पीछे ग्रुप बुकिंग मुख्य वजह है। मुंबई जाने वाली सभी एयरलाइंस की डायरेक्ट सेवाओं के टिकट महंगे हैं। ग्रुप बुकिंग और डायनेमिक फेयर के चलते टिकट महंगे हो जाते हैं, जबकि दिल्ली रूट पर ग्रुप बुकिंग नहीं होने से टिकट सामान्य हैं।

सात शहरों में विकसित होगा 850 किमी मेट्रो नेटवर्क, इन तीन शहरों में नेटवर्क को दिया जाएगा विस्तार

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार के विजन डॉक्यूमेंट के मुताबिक वर्ष 2047 तक सात शहरों में करीब 850 किमी मेट्रो नेटवर्क विकसित किया जाना है। इसमें लखनऊ, कानपुर व आगरा में ही 350 किमी से अधिक नेटवर्क का विस्तार होना है। प्रदेश सरकार के इस विजन का प्रेजेंटेशन गुरुग्राम (हरियाणा) में चल रहे अर्बन मोबिलिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस एंड एक्सपो के समापन पर रविवार को हुआ। प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने बताया कि अंतिम दिन 'गैर–किराया राजस्व के लिए रणनीति' विषयक सत्र हुआ।

मेट्रो यात्रियों को सुरक्षित, सुगम यात्रा प्रदान करने के साथ स्टेशनों को व्यावसायिक और सामाजिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने की बात कही गई। आई–मेट्रो की ओर से जारी की परफॉर्मेंस इंडेक्स(केपीआई) में मेट्रो ने टियर–2 शहरों की अन्य मेट्रो प्रणालियों की तुलना में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

दो किलो अमेरिकन गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स व मड़ियांव पुलिस की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार देर रात यादव चौराहे के पास से दो मादक पदार्थ तस्करों प्रतापगढ़ कंधई निवासी सूरज सिंह और सत्यम को गिरफ्तार किया। उनके पास से करीब दो किलो अमेरिकन गांजा, तीन मोबाइल व एक कार मिली। बरामद गांजे की कीमत लाखों में बताई गई है। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्र ने बताया कि बृहस्पतिवार रात एएनटीएफ की टीम की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। एएनटीएफ में तैनात दरोगा कुलदीप शर्मा ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मड़ियांव थाने में केस दर्ज कराया है।

फर्जी दरोगा ने सप्लाई करने के लिए दिया था गांजा

पूछताछ में आरोपी सूरज व सत्यम ने बताया कि अमेरिकन गांजे की तस्करी का धंधा गोरखपुर के दाऊदपुर निवासी फर्जी दरोगा प्रनीत तिवारी अपने साथी अभिषेक यादव के साथ करता है।

विधिक साक्षरता से ही न्याय और संविधान की रक्षा होगी : प्रशांत कुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के अवसर पर सोमवार को एक रैली एवं विधिक जागरूकता शिविर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर द्वारा दत्तोपंत ठेंगड़ी द विधि ाक सेवा एवं सहायता विभाग पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के सहयोग से द जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि के निर्देशन एवं सचिव पूर्णकालिक प्रशांत कुमार सिंह की देखरेख में आयोजित किया गया।द इस रैली एवं विधिक सहायता जागरूकता शिविर में सचिव पूर्ण कालिक अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत कुमार सिंह डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह कुलपति डॉक्टर वंदना सिंह द वीर बहादुर सिंहपूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर द प्राचार्य डॉ विनोद कुमार डॉक्टर वनिता सिंह डॉक्टर राजन तिवारी सहित द विधि विभाग के समस्त प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएं एवं मीडिया तथा विश्वविद्यालय के संभ्रांत लोग द और प्राधिकरण के सुनील कुमार मौर्य और राकेश यादवऔर आसपास के लोग बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। रैली का शुभारंभ विधि विभाग से प्रारंभ होकर विश्वविद्यालय परिसर के चक्रमण में के साथ समाप्त हुआ। जिसमें विधि विभाग की छात्र–छात्राओं ने बड़े ही उत्साह से भाग लियाद और विधि का ज्ञान हमारा सम्मान द विधि का ज्ञान मुकदमों का अवसान जागरूक हो देश हमारा विधि का ज्ञान मिले अति न्यारा देश की रक्षा कौन करेगा विधि का ज्ञान करेगा युवा शक्ति भारत की शक्ति संविधान का सम्मान हमारा मान द भारत माता की जय वंदे मातरम के तारों से संपूर्ण परिसर गूंज उठा अंत में प्राधिकरण के सचिव अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत कुमार सिंह ने छात्रों पर अध्यापकों एवं उपस्थित पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सभी लोगों को विधिक जागरूकता साक्षरता के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि केवल विधिक रूप से जागरूकता और विधिक साक्षरता से ही न्याय और संविधान की रक्षा होगीद लोकतंत्र और संविधान की रक्षा विधिक रूप से जागरूक लोगों और न्यायपालिका के द्वारा ही संभव है । कुलपति डॉक्टर वंदना सिंह वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा सबके लिए न्याय और सबको जागरुक होकर देश के होनहार कर्णधार बनने के लिए प्रेरित किया गया द और छात्रों को भविष्य में विधि के क्षेत्र में उच्च पद पर जाने के लिए प्रेरित किया गया । इस रैली और विधिक जागरूकता साक्षरता तस्वीर को डॉक्टर विनोद कुमार आचार्य डॉक्टर वनिता सिंह डॉक्टर राजन तिवारी एवं अन्य प्राध्यापकों के द्वारा भी संबोधित किया गया।

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला, वाराणसी रेफर,हालत गंभीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र के बाकी गांव में रविवार रात एक 47 वर्षीय विनीत मिश्रा नामक व्यक्ति पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले जिला अस्पताल जौनपुर में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण उन्हें वाराणसी रेफर किया गया है, जहाँ भोर में उनका ऑपरेशन हुआ है और वह अभी तक बेहोश हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दावत(बाटी चोखा) से लौटते समय हुआ हमला घायल व्यक्ति की पहचान विनीत मिश्रा उर्फ अक्षय गुरु (पुत्र प्रेम नारायण मिश्रा) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, विनीत मिश्रा अपने पड़ोसी के यहाँ आयोजित एक दावत में शामिल होने गए थे। रात लगभग 9:30 से 10 बजे के बीच, जब वह दावत से लौटकर अपने घर जा रहे थे, तभी गांव के पास एक सुनसान जगह पर अज्ञात हमलावरों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। हमलावरों ने विनीत मिश्रा पर चाकू से कई वार किए।जिसे पेट मे चार पांच जगह गंभीर चोट आई। जिससे वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। हालत नाजुक, पुलिस जांच में जुटी विनीत की चीख–पुकार सुनकर और घटना की सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और उन्हें तुरंत जिला अस्पताल जौनपुर पहुंचाया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए तत्काल उपचार शुरू किया,।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस मुठभेड़ के दौरान फायरिंग में वांछित आरोपित गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जिले के मीरगंज थाना क्षेत्र में पुलिस और अपराधी करण चौहान के बीच रविवार की देर रात बंधवा तिराहे पर हुई मुठभेड़ में करण चौहान घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। वह 9 अक्टूबर को मोलानापुर गांव में राज सिंह चौहान पर हुई फायरिंग की घटना में वांछित था।इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई थीं। बीती रात पुलिस टीम बंधवा तिराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान

एक संदिग्ध व्यक्ति बाइक पर आता दिखा। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।आत्मरक्षा में पुलिस टीम ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश को गोली लग गई। घायल बदमाश की पहचान करण चौहान के रूप में हुई, जो राज सिंह चौहान पर फायरिंग के मामले में हत्या की धाराओं में वांछित था।पुलिस ने करण चौहान के पास से एक तमंचा, कुछ कारतूस और एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। अभियुक्त करण चौहान के खिलाफ जौनपुर और प्रयागराज जिलों में गैंगस्टर, लूट, हत्या और आर्म्स एक्ट सहित लगभग डेढ़ दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।

मेयर,एसपी सिटी,बीएसए,सीओ,सहित कई श्रोताओ ने श्रीमद्भावत कथा का किया रसपान

अयोध्या। मन चंचल होता है,सुखी वही व्यक्ति है जो मन के बस में न होकर मां को अपने वश में करता है।मनुष्य के सिर पर हर समय कालचक्र बैठा है, मानव जीवन कब समाप्त हो जाए किसी को नहीं पता।इसलिए हम सब ऐसा जो दूसरे के लिए हितकारी हो।यह उद्गगार विकास खंड तारुन क्षेत्र तिवारीपुर पछियाना निवासी डॉक्टर अंबिकेश त्रिपाठी कि यहां आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के दौरान आचार्य रविकांत शास्त्री ने कही। उन्होंने इस मौके पर एक से भगवान श्री कृष्ण के जीवन से जुड़ी कई कथाओं को सुन कर श्रोताओं को मंत्र मुक्त कर दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हम सभी श्रोताओ से कहां की हम सभी को मित्रता ऐसी करनी चाहिए जैसे भगवान श्री कृष्ण ने सुदामा से किया था। कहा कि हम सभी को भगवान श्री कृष्ण द्वारा किए गए उपदेश से सीख लेनी चाहिए।इस मौके पर महापौर पंडित गिरीश पति त्रिपाठी, बीएसए लालचंद, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, साकेत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर अभय सिंह, पवन जीवानी, सीओ उन्नाव ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, पूजा पाठक, सुनील कुमार अवस्थी, रोहित शर्मा, डॉ वीरेन्द्र पाण्डेय, डॉ सत्येंद्र गुप्ता , डॉ दिनेश कांत पाण्डेय,कृष्ण कुमार त्रिपाठी,अरविन्द तिवारी, डॉ नीरज शुक्ला,डॉ मुकेश मिश्र,जितेन्द्र तिवारी,संतोष उपाध्याय, राम द्विवेदी,राजेश, वीरेंद्र कुमार मिश्र,जगदीश प्रसाद जी,संतोष यादव , सुशील कुमार सिंह, शिव नारायण सोनी, प्रीती, राज कुमार पाण्डेय, प्रमोद दूबे, सौम्या गुप्ता, सीमा यादव, अनुपमा जी सहित भारी संख्या मे श्रोता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रियंका त्रिपाठी ने दिल्ली में आर.एस.एस. के वरिष्ठ विचारक एवं पूर्व संगठन महामंत्री श्री संजय जोशी जी से की भेंट

दिल्ली। आज राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रियंका त्रिपाठी जी ने दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ विचारक एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व संगठन महामंत्री श्री संजय विनायक जोशी जी से सौजन्य भेंट की। इस मुलाकात में प्रियंका त्रिपाठी जी ने श्री संजय जोशी जी से संगठन के मुख्य उद्देश्यों, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद तथा नैतिक एवं वैदिक भारत के निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की। श्री संजय जोशी जी, जो लंबे समय तक भारतीय जनता पार्टी के संगठन महामंत्री के रूप में सेवा दे चुके हैं, वर्तमान में संगठन मार्गदर्शन एवं वैचारिक परामर्श की भूमिका निभा रहे हैं। वे आर.एस.एस. के संगठनात्मक ढांचे से जुड़े वरिष्ठ मार्गदर्शक माने जाते हैं और पार्टी एवं समाज जीवन के बीच संवाद के सूत्रधार हैं।

प्रियंका त्रिपाठी जी ने उन्हें राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के उद्देश्यों से अवगत कराया कृ

भारत को वैदिक सनातन राष्ट्र बनाना,

महिला सशक्तिकरण,

गौ सेवा के लिए गौशालाओं का निर्माण,

गुरुकुल एवं संस्कार शालाओं की स्थापना प्रत्येक नगर में करना। इस अवसर पर श्री जोशी जी ने संगठन के प्रति युवाओं की निष्ठा और समर्पण की सराहना की तथा यह कहा किकृ

झ "संगठन का विस्तार तभी सार्थक है जब उसमें सेवा, संस्कार और समर्पण का भाव जुड़ा हो।" बैठक के अंत में प्रियंका त्रिपाठी जी ने उन्हें राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा की गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी तथा मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मानवाधिकार जनसेवा परिषद द्वारा पूजित मूर्तियों सम्मानजनक विसर्जन

लखनऊ – मानवाधिकार जनसेवा परिषद के द्वारा लखनऊ में विभिन्न स्थानों पर बनाए गए मूर्तियों के संग्रह स्थलों से हजारों मूर्तियों को एकत्रित कर सम्मान सहित विसर्जन किया गया। पर्यावरण संरक्षण हेतु सबसे पहले केवल मूर्तियों को प्लास्टिक के थैलों से अलग करवा कर विसर्जन किया गया। मानवाधिकार जनसेवा परिषद के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा ने बताया कि परिषद विगत कई वर्षों से पूजित मूर्तियों सम्मानजनक विसर्जन कर रहा है। सभी हिन्दू परिवारों में दिवाली पर पूजा हेतु भगवान श्री गणेश एवं लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है और पूजन के पश्चात् लोग पूजित व पुरानी खण्डित मूर्तियों को पेड़ों के नीचे, पार्कों, सार्वजनिक स्थानों पर

रख देते हैं। भगवान की मूर्तियों को सार्वजनिक स्थानों पर अपमानजनक स्थिति में देखकर ही मानवाधिकार जनसेवा परिषद विगत कई वर्षों से विभिन्न स्थानों पर संग्रह स्थल बनाकर मूर्तियों को एकत्रित कर सम्मानजनक विसर्जन कर रहा है। मूर्तियों को एकत्रित करने हेतु गोमतीनगर, इंदिरा नगर, विकास नगर, खरगापुर आदि क्षेत्रों में संग्रह स्थल बनाए गए थे। इसके अतिरिक्त पेड़ों के नीचे, पार्कों आदि स्थानों से भी मूर्तियों को एकत्रित किया गया। मूर्तियों के संग्रह में आशा सिंह, रेनू तिवारी, सविता शुक्ला, कुसुम वर्मा सहित अन्य लोगों का सहयोग उल्लेखनीय रहा। मूर्तियों के सम्मानजनक विसर्जन में अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, पी. एस. उपाध्याय व अन्य लोगों का योगदान रहा।

ब्लड बैंक की कर्मियों की हुई लापरवाही उजागर,मरीज को गलत ग्रुप का ब्लड देने से कर्मचारियों ने किया हंगामा

अयोध्या। जिला चिकित्सालय में एक बार फिर लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है।भर्ती मरीज को ब्लड बैंक कर्मियों ने गलत ग्रुप का ब्लड दे दिया। मामला सामने आने के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार, मसौधा ब्लाक के खानपुर निवासी महेंद्र प्रताप सिंह की पुत्री श्रेया सिंह का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा था। उसे ए–नेगेटिव ब्लड की जरूरत थी। परिजनों के मुताबिक ब्लड बैंक से श्रेया के लिए ब्लड लिया गया, लेकिन बिना मिलान जांच के उसे ए–पॉजिटिव ब्लड दे दिया गया।घटना के समय ब्लड बैंक में सीनियर लैब टेक्नीशियन सचिन तिवारी व लैब टेक्नीशियन बलराम वर्मा की ड्यूटी थी। मरीज के परिजन ने बताया कि जब वे ब्लड लेकर वार्ड में पहुंचे और स्टाफ नर्स को दिया, तो नर्स ने ब्लड ग्रुप गलत होने की बात कही। तत्काल मौके पर मौजूद ईएमओ आशुतोष प्रताप सिंह ने ब्लड वापस करने की सलाह दी।मरीज के पिता जब ब्लड लेकर ब्लड बैंक पहुंचे, तो वहां ड्यूटी पर मौजूद कर्मियों ने उनसे अभद्रता की और कथित रूप से पैसे की मांग की। परिजनों ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर कर्मचारियों ने गाली–गलौज व हाथापाई भी की।मामले को लेकर मरीज के पिता महेंद्र प्रताप सिंह ने नगर कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई है।उन्होंने दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।जब इस संबंध में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजेश सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया जो भी कर्मचारी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। बैंड में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे ने बताया मामला संज्ञान में है और जांच की जा रही है।

25 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी फहराएंगे राम मंदिर के सातों शिखरों पर भगवा ध्वज

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या एक बार फिर इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में अपना नाम दर्ज करने जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भव्य निर्माण की पूर्णता की औपचारिक घोषणा 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह के माध्यम से होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 161 फीट ऊंचे मुख्य शिखर सहित कुल सात मंदिरों के शिखरों पर भगवा धर्म ध्वज फहराएंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित हजारों गणमान्य जन व श्रद्धालु मौजूद रहेंगे। यह समारोह न केवल श्रीरामजन्मभूमिमंदिर निर्माण महायज्ञ की पूर्णाहुति का प्रतीक है, बल्कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की अथक मेहनत और दूरदर्शी नीतियों का जीता–जागता प्रमाण भी है।नौ नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले ने राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया था। इसके ठीक छह वर्ष बाद नवंबर माह राम भक्तों के लिए स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी महाराज ने बताया कि 22 फीट लंबा और 11 फीट चौड़ा भगवा ध्वज वाल्मीकि रामायण में वर्णित रघुवंश के प्रतीकों सूर्य, द और कोविदार वृक्ष से अंकित होगा। यह ध्वज 42 फीट ऊंचे द वजदंड (10 फीट ढांचे में, 32 फीट बाहर) पर 360 डिग्री घूमने वाली चौंबर पर स्थापित किया जाएगा, जो 60 किलोमीटर प्रति घंटे की हवा की गति को भी सहन कर सकेगा। ट्रस्ट महासचिव चंपत राय के अनुसार, समारोह में सात से आठ हजार श्रद्धालु शामिल होंगे, जिनमें प्रमुख संत–महंत, विभिन्न संप्रदायों के धर्माचार्य, सामाजिक कार्यकर्ता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने वाले लोग होंगे।21 से 25 नवंबर तक पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान चलेगा, जिसमें रामचरितमानस पाठ, श्रीराम रक्षा स्तोत्र का पारायण और वैदिक हवन शामिल होंगे। काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री के नेतृत्व में अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत के 108 आचार्य अनुष्ठान संपन्न कराएंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय के अनुसार मंदिर का निर्माण परंपरागत नागर शैली में हुआ है। मंदिर की लंबाई (पूर्व–पश्चिम) 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट है। मंदिर तीन मंजिल का है और प्रत्येक की ऊंचाई 20 फीट है। मंदिर में कुल 392 खंभे और 44 द्वार हैं। भूतल गर्भगृह में प्रभु श्रीराम का बाल रूप अर्थात् श्रीराम लला का विग्रह, प्रथम तल पर श्रीरामदरबार के दर्शन हो रहे हैं। परिसर में पंचायतन के सभी मंदिरों का निर्माण पूरा कर लिया गया है। परकोटा में भगवान सूर्य, मां भगवती, गणपति व भगवान शिव के मंदिर हैं। उत्तरी भुजा पर मां अन्नपूर्णा, दक्षिणी भुजा पर हनुमान जी का मंदिर है। परिसर में निषादराज, माता शबरी, देवी अहिल्या, संत तुलसीदास, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, कुबेर टिला पर भगवान शिव के प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ जटायु की स्थापना की गई है। गिलहरी, जिसने रामसेतु निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी, उसकी भी प्रतिमा परिसर में स्थापित की गई है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र है। मुख्य शिखर के अलावा शेषावतार मंदिर और परकोटा के छह देवी–देवताओं के मंदिरों (शिव, गणेश, हनुमान, सूर्य, भगवती, अन्नपूर्णा) पर भी ध्वजारोहण होगा।प्रधानमंत्री मोदी क्रॉसिंग 11 आद्यगुरु शंकराचार्य द्वार से प्रवेश करेंगे और हनुमानगढ़ी दर्शन के बाद मंदिर परिसर में सप्त मंडप एवं रामायण की 3डी म्यूरल्स का अवलोकन करेंगे। इस भव्य आयोजन की सफलता में योगी आदित्यनाथ सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर निर्माण को गति देने के साथ–साथ अयोध्या के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया। उनकी सरकार ने अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय स्तर का धार्मिक पर्यटन केंद्र बनाने के लिए व्यापक अवसंरचना विकसित की।श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने रविवार को मंदिर परिसर का सूक्ष्म निरीक्षण किया और ध्वजारोहण की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण एजेंसियों के साथ बैठक कर कार्य को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त खबरें

कौशल विकास मिशन युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में एक सशक्त पहल : आलोक सिंह रोहित

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। कौशल विकास मिशन के अंतर्गत कन्हैया लाल महिला महाविद्यालय, सोहावल में युवाओं को रोजगार प्रशिक्षण देने का कार्य तेजी से चल रहा है।महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित एक कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने उत्कृष्ट प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम में बोलते हुए आलोक सिंह रोहित ने कहा कि "मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट कृ कौशल विकास मिशन कृ युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। सरकार चाहती है कि गांवों और कस्बों के युवा भी आधुनिक कौशल सीखकर अपने पैरों पर खड़े हों।" उन्होंने कहा कि आज के युग में सर्वाधिक महत्व हुनर का है। जो युवा किसी कार्य में दक्षता प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ता। उन्होंने फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र को युवाओं के लिए स्वावलंबन का नया माध्यम बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में प्रशिक्षण लेकर युवा न केवल खुद का रोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं।महाविद्यालय की प्रबंधक कंचन लता यादव ने बताया कि संस्थान में शिक्षा के साथ–साथ रोजगारपरक प्रशिक्षण को भी प्राथमिकता दी जा रही है। केंद्र में फूड प्रोसेसिंग, सिलाई–कढ़ाई, ब्यूटीशियन और कंप्यूटर जैसे कोर्स संचालित किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।कार्यक्रम में ओम साई डिस्ट्रीब्यूटर्स के जिला प्रबंधक दीपक कुमार, केंद्र व्यवस्थापक शुभम कुमार, सहायक अध्यापिकाएं मंजू, सरिता, सविता, हर्ष यादव, संतोष, किरना यादव, अमरेश वर्मा, विजय बहादुर यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहीं।

श्री कृष्ण की जीवन लीला से लेनी चाहिए सीख – आचार्य रविकांत शास्त्री

अयोध्या। डा अंबिकेश त्रिपाठी के पैतृक गांव तिवारीपुर पछियाना में चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के दौरान आचार्य रविकांत शास्त्री द्वारा भगवान श्री कृष्ण के परिवार के विषय में विस्तार से वर्णन किया गया।कथा सुनाते हुए आचार्य शास्त्री ने कहा कि हमें भगवान श्री कृष्ण द्वारा किए गए लीलाओं से सीख लेनी चाहिए क्योंकि उनके द्वारा किए गए हर एक लीला जीवन से जुड़ी हुई है। कथा का रसपान करने हेतु जज गोरखपुर उमेश चन्द्र पाण्डेय,प्रोफेसर राधेश्याम तिवारी, साकेत महाविद्यालय, प्रोफेसर शिव कुमार तिवारी, विभागाध्यक्ष गणित साकेत महाविद्यालय, प्रोफेसर गंगा राम मिश्र, विभागाध्यक्ष , भौतिकी एवं इलेक्ट्रोनिक्स विभाग डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, गया प्रसाद तिवारी, डॉ अजीत वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, डॉ करुणेश तिवारी, प्राचार्य , पी जी कॉलेज बाराबंकी, डॉ वी के पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, पी जी कॉलेज देवरिया, डॉ संजय सिंह, प्रवीण मिश्र, राजेश सिंह, अभिषेक मिश्र, मनोज त्रिपाठी, राजेश त्रिपाठी , राज्य पुरुस्कृत शिक्षक अजय कुमार पाण्डेय, विकास शुक्ला के के अलावा भारी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।